



# कौटिल्य एकेडमी

[www.kauilyaacademy.com](http://www.kauilyaacademy.com) | IAS, IPS, MPPSC, C.J-II

[g+](#) [f](#) [t](#) [i](#) [v](#) /kauilyaacademy

## डेली करंट अफेयर्स

### 04 May 2024



**FREE DEMO SESSIONS AVAILABLE ON THE APPLICATION**

कौटिल्य एकाडमी  
IAS-IPS-MPPSC CJ II

हिंदी  
मध्यम

**MPPSC 2025**

**एकलव्य बैच**

PRE +  
MAINS

1 साल का कम्पलीट कोर्स

**NEW SYLLABUS**

**ONLINE CLASS**

कौटिल्य एकाडमी  
IAS-IPS-MPPSC CJ II

ENGLISH  
MEDIUM

**MPPSC 2025**

**TARGET BATCH**

PRE +  
MAINS

1 YEAR COMPLETE COURSE

**NEW SYLLABUS**

**ONLINE CLASS**



**DOWNLOAD KAUTILYA ACADEMY  
APPLICATION FROM PLAYSTORE**



**SCAN THE  
QR CODE**

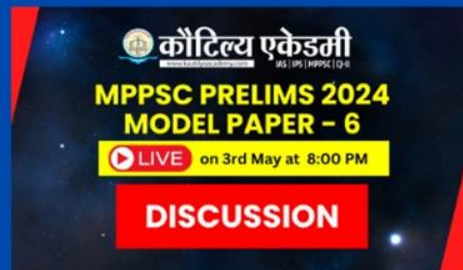
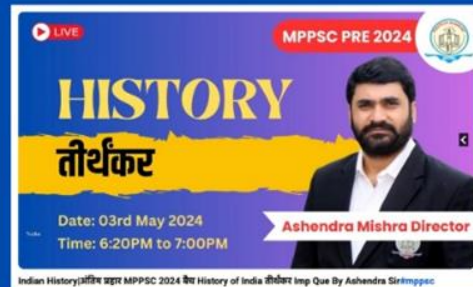


**CONTACT US FOR MORE INFORMATION ON GIVEN NUMBER +91-9425068121 OR +91-9893929541**



# YouTube Sessions

For all students preparing for **MPPSC 2024**, we are conducting free sessions on Youtube daily



Download **Kautilya Academy App** to get Antim Prahar online class PDF

Subscribe & Follow Us:     

Scan the QR Code to download the App





## अंटार्कटिक संधि :

→ पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (NCPOR) के माध्यम से केरल के कोच्चि में 20 से 30 मई तक 46वीं अंटार्कटिक संधि परामर्शदात्री बैठक (ATCM 46) और पर्यावरण संरक्षण समिति (CEP 26) की 26वीं बैठक की मेजबानी करेगा।





- इस वर्ष 46वें **एटीसीएम** और 26वें **सीईपी** में 60 से अधिक देशों के 350 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है।
- इसका आयोजन **भारत** के **कोच्चि** में **लुलु बोलगट्टी इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर** (एलबीआईसीसी) में **एनसीपीओआर, एमओईएस** करेगा।

**The Antarctic Treaty Main Points**

- 1 - No military use
- 2 - Freedom of scientific investigation
- 3 - Free exchange of scientific plans and data
- 4 - Any territorial claims put on hold
- 5 - Nuclear free zone
- 6 - Applies to land but not seas
- 7 - All stations open to inspection by other nations
- 8 - National laws apply to citizens not to areas
- 9 - The treaty may be modified at any time, requires unanimous agreement of treaty nations
- 10 - All treaty nations to ensure no-one carries out acts against the treaty





## 46वीं अंटार्कटिक संधि के प्रमुख विषय :

- अंटार्कटिका और उसके संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के लिए रणनीतिक योजना, नीति, कानूनी और संस्थागत संचालन; जैव विविधता पूर्वक्षण; सूचना व डेटा का निरीक्षण और आदान-प्रदान; अनुसंधान, सहकार्य, क्षमता निर्माण और सहयोग; जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटना; पर्यटन ढाँचे का विकास; और जागरूकता को बढ़ावा देना शामिल हैं।





## अंटार्कटिक संधि के बारे में :

- इस पर **1959** में **हस्ताक्षर** किए गए थे और यह **1961** में **लागू** हुई थी।
- इस संधि के **कुल 56 पक्षकार** हैं।
- भारत ने **1983** में **अंटार्कटिक संधि पर हस्ताक्षर** किए थे और उसी वर्ष कंसल्टेटिव देश का दर्जा प्राप्त किया था।
- वर्तमान में, भारत दो अनुसंधान केंद्र **मैत्री (1989)** और **भारती (2012)** संचालित करता है।
- स्थायी अनुसंधान केंद्र अंटार्कटिका में भारतीय वैज्ञानिक अभियानों की सुविधा प्रदान करते हैं, जो **वर्ष 1981 से प्रतिवर्ष संचालित** हो रहे हैं।
- भारत ने अंटार्कटिक संधि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए **भारतीय अंटार्कटिक अधिनियम, 2022** बनाया है।





## संधि के मुख्य प्रावधान :

- अंटार्कटिका का उपयोग शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाएगा,
- देशों को अंटार्कटिका का वैज्ञानिक अध्ययन करने की स्वतंत्रता होगी आदि।

## प्रोटोकॉल और कन्वेंशन :

- अंटार्कटिक संधि पर पर्यावरण संरक्षण प्रोटोकॉल (मैड्रिड प्रोटोकॉल), **1991**;
- अंटार्कटिक समुद्री जीवन संसाधनों के संरक्षण पर कन्वेंशन, **1980** आदि।







## पर्यावरण संरक्षण समिति (CEP) :

- **CEP** की स्थापना वर्ष 1991 में अंटार्कटिक संधि (मैड्रिड प्रोटोकॉल) के पर्यावरण संरक्षण पर प्रोटोकॉल के तहत की गई थी।
- **CEP**, अंटार्कटिका में पर्यावरण संरक्षा और संरक्षण पर ATCM को सलाह प्रदान करता है।





## सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (SMART) सिस्टम :

- **भारतीय नौसेना** ने समुद्र में अपनी ताकत बढ़ाने के लिए हाल ही में सुपरसोनिक मिसाइल-असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (SMART) सिस्टम का सफल परीक्षण किया है।
- SMART प्रणाली का ओडिशा के तट पर **डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप** से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया।

## नेवी को स्मार्ट बनाएगा SMART

SMART यानी सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो से लॉन्च मिसाइल 643 किमी की दूरी तय कर सकती है।

इसमें 20 किमी की रेंज वाला हल्का टॉरपीडो और 50 Kg हाई एक्सप्लोसिव वारहेड जोड़ा जा सकता है।

ये कनिस्टर बेस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसमें टू स्टेज प्रोपल्शन, इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर, प्रिशिएसन इंटीरियल नेविगेशन जैसे एडवांस सब सिस्टम शामिल हैं।

इसमें सिमेट्रिक सेपरेशन, इजेक्शन और वेलोसिटी कंट्रोल जैसी अत्याधुनिक तकनीक भी है।

SMART को हिंद महासागर में तैनात किया जाएगा। चीनी नौसेना की पनडुब्बियों की लगातार बढ़ती तैनाती के चलते यह फैसला किया गया है।





## SMART प्रणाली के बारे में :

- यह अगली पीढ़ी की मिसाइल-आधारित **हल्के वजन वाली टारपीडो डिलीवरी** प्रणाली है।
- टारपीडो एक प्रकार की / का मिसाइल या बम है। इसे जल के भीतर से दागा जाता है।
- इसे रक्षा **अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)** ने विकसित किया है।





- यह एक कनस्तर-आधारित मिसाइल प्रणाली है और पैराशूट-आधारित रिलीज सिस्टम से सुसज्जित है।
- इसमें **एडवांस्ड सब-सिस्टम** भी लगे हुए हैं। जैसे दो चरणों वाली ठोस प्रणोदन प्रणाली, इलेक्ट्रोमैकेनिकल एक्चुएटर प्रणाली आदि।
- यह भारतीय नौसेना की **पनडुब्बी-रोधी** युद्धक क्षमता को हल्के टारपीडो की पारंपरिक सीमा से कहीं अधिक बढ़ा देगी।





## चंद्रमा की सतह के नीचे है बर्फ का भंडार :

→ इसरो ने **चांद के रहस्यों को लेकर** बड़ा खुलासा किया है। इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के वैज्ञानिकों ने हालिया अध्ययन में चंद्रमा के ध्रुवीय गड्ढों में पानी की बर्फ की बढ़ती संभावना के सबूत मिलने का खुलासा किया है।





- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर फोटोग्रामेट्री एंड रिमोट सेंसिंग जर्नल में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि पहले कुछ मीटर में चांद के उपसतह बर्फ की मात्रा उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुवीय क्षेत्रों में सतह पर **मौजूद बर्फ की मात्रा से लगभग 5 से 8 गुना अधिक** है।
- इस खोज का भविष्य के चंद्र अभियानों और चंद्रमा पर दीर्घकालिक मानव उपस्थिति के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव है।





## अध्ययन के मुख्य बिंदु :

- इसरो का अध्ययन इस विचार की पुष्टि करता है कि चंद्रमा के ध्रुवों में उप-सतही जलीय बर्फ का प्राथमिक स्रोत इम्ब्रियन काल (**लगभग 3850-3800 मिलियन वर्ष पहले**) की ज्वालामुखीय गतिविधियां हैं।
- भारत के **चंद्रयान-2 मिशन** ने भी चंद्रमा पर जलीय बर्फ की मौजूदगी का पता लगाया था। इसरो के नए अध्ययन से **चंद्रयान-2** के अध्ययन की भी पुष्टि होती है।





## चंद्रमा पर जल की खोज में भारत का योगदान :

- **2009:** इसरो के चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर सूर्य के प्रकाश वाले क्षेत्रों (सूर्य से सीधे प्रकाश प्राप्त करने वाले क्षेत्र) में हाइड्रेटेड खनिजों के संकेतों का पता लगाया था।
- ये हाइड्रेटेड खनिज ऑक्सीजन और हाइड्रोजन अणुओं के रूप में मौजूद थे।
- **2018:** चंद्रयान-1 पर लगे मून मिनरलॉजी मैपर (M3) उपकरण ने चंद्रमा पर जल की खोज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। M3 उपकरण नासा ने उपलब्ध कराया था।
- **M3** ने चंद्रमा के स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्रों में कई स्थानों पर जलीय बर्फ की पुष्टि की है। स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्र चंद्रमा का वह हिस्सा है, जहां सूर्य का प्रकाश कभी नहीं पड़ता।







## चंद्रयान मिशन के बारे में :

- **चंद्रयान-1 (2008):** इसका उद्देश्य था चंद्रमा के रासायनिक, खनिज विज्ञान और फोटोजियोलॉजिकल मैपिंग का अध्ययन करना।
- **चंद्रयान-2 (2019):** इसका उद्देश्य है, चंद्रमा की सतह के भूविज्ञान, संरचना और बाह्यमंडल माप का अध्ययन करना।
- **चंद्रयान-3 (2023):** इसका उद्देश्य था चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग और रोविंग क्षमता प्रदर्शित करना।





## पाँक्सो एक्ट :

→ हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया जिसमें कहा गया कि **यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम** के उद्देश्यों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, भले ही बाल विवाह हो या पीड़ित नाबालिग अपने अपराधी से शादी करके अभियोजन से बचने की कोशिश करे।

## क्या है पाँक्सो एक्ट?

14 नवंबर  
2012

से देशभर में  
लागू हुआ  
पाँक्सो एक्ट।

18 साल  
से कम

के सभी नाबालिग  
कानून में कवर  
किए गए।





## POCSO अधिनियम :

- **18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों** को यौन उत्पीड़न और बाल अश्लीलता से बचाने के लिए संसद द्वारा यौन अपराधों से **बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012** पारित किया गया था।
- यह अधिनियम इन अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें भी स्थापित करता है।
- इसका संचालन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- **POCSO अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे** को व्यक्ति" के रूप में परिभाषित करता है, जो बाल यौन शोषण पीड़ितों के लिए लिंग-तटस्थ कानूनी ढांचा स्थापित करता है।





- यह विभिन्न प्रकार के यौन शोषण को परिभाषित करता है, जैसे प्रवेशक और **गैर-भेदक हमला**, साथ ही **यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य**।
- यह अधिनियम उन लोगों के लिए भी सजा का प्रावधान करता है जो यौन उद्देश्यों के लिए बच्चों की तस्करी करते हैं।
- **2019 में, गंभीर प्रवेशन** यौन उत्पीड़न के लिए न्यूनतम सजा को सात साल से बढ़ाकर दस साल करने के लिए अधिनियम में संशोधन किया गया था।





M

C

Q

QUESTIONS



हाल ही में सीता अम्मा मंदिर के राज्यभिषेक के लिए किस नदी का पवित्र जल श्रीलंका भेजा जाएगा ?

- A गंगा
- B यमुना
- C सरस्वती
- D सरयू





हाल ही में शोधकर्ताओं ने किस देश में दुनिया का सबसे गहरा ब्लू होल खोजा है ?

- A इंडोनेशिया
- B ऑस्ट्रेलिया
- C जापान
- D मैक्सिको





भारत का पहला AI द्वारा संचालित टैक्स फाइलिंग ऐप किसने लांच किया है?

- A ईज़ीटैक्स
- B मेटा
- C गूगल
- D माइक्रोसॉफ्ट







भारतीय सेना और पुनीत बालन समूह के द्वारा देश का पहला संविधान गार्डन कहां बनाया गया है?

- A मुंबई
- B इंदौर
- C पुणे
- D नई दिल्ली





46वीं अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक किस देश में आयोजित की जाएगी?

- A पाकिस्तान
- B भारत
- C चीन
- D जापान





अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने हाल ही में किसे ग्रैंडमास्टर की उपाधि से सम्मानित किया है?

- A रमेशबाबू प्रग्गनानंद
- B निहाल सरीन
- C वैशाली रमेश बाबू
- D कोनेरु हम्पी





कौटिल्य एकेडमी

[www.kautilyaacademy.com](http://www.kautilyaacademy.com) | IAS, IPS, MPPSC, CJ-II

“CURRENT AFFAIRS WITH KAUTILYA ACADEMY” : 8:00 A.M.

*Thank you!*



For Notes and Video Lecture Download

*Kautilya Academy App* 